BJP समर्थकों की हेट स्पीच नहीं हटाता है फ़ेसबुक : वॉल स्ट्रीट जर्नल

अख़बार के मुताबिक भारत में फेसबुक की पब्लिक पॉलिसी निदेशक Ankhi Das ने, मुस्लिमों के ख़िलाफ़ हिंसा भड़काने को प्ररित करने वाली तेलंगाना के बीजेपी विधायक टी.राजा सिंह की एक पोस्ट पर हेट स्पीच रूल लगाने से इंकार कर दिया उन्होंने फेसबुक नियमों के ख़िलाफ़ कार्रवाई करने जा रहे फेसबुक के अधिकारियों को बताया कि भारत में कारोबार मुश्किल हो जाएगा...!

फेसबुक की ओर से उन पर भारत में सरकार से लाबींग करने की भी जिम्मेदारी है...!

अगर आप इस बात से परेशान हैं कि Facebook जैसे अभिव्यक्ति के निष्पक्ष मंच पर तमाम दंगाई विचारों वाले अकाउंट क्यों फल-फूल रहे हैं औऱ मोदी सरकार की नीतियों पर सवाल उठाने वाले बीस हज़ार फालोवर वाले अकाउंट की पहुँच दस-बीस लोगों तक क्यों हो जाती है...?

तो अब एक औऱ झटका झेलने के लिए तैयार हो जाइये, अमेरिका के मशहूर अख़बार "वॉल स्ट्रीट जर्नल" ने रहस्योद्घाटन किया है कि फ़ेसबुक की इंडिया पालिसी हेड आँखी दास ने बाक़ायदा इसके लिए लिए लाबींग की है, उन्होंने तमाम हेट स्पीच पर जानबूझकर कोई कार्रवाई इसलिए नहीं होने दी क्योंकि इससे भारत में कंपनी के कारोबारी संभावनओं पर उल्टा असर पड़ सकता है...!

Indian National Congress ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसकी JPC से जाँच कराने की माँग की है...

राहुल गाँधी जी ने आरोप लगाया है कि फेसबुक औऱ व्हाट्सऐप भारत में संघ औऱ बीजेपी से नियंत्रित हो रहे हैं...!

पर क्या मसला इतना ही है...?

शायद नहीं...क्योंकि आँखी दास की बहन रश्मि दास जेएनयू में आरएसएस के छात्र संगठन एबीवीपी की अध्यक्ष रही हैं औऱ परिवार के संघ से रिश्ते बहुत घनिष्ठ रहे हैं...!

हेट स्पीच के खिलाफ फेसबुक की स्पष्ट नीति है वह ऐसे तमाम अकाउंट को वह सस्पेंड कर देता है (मेरे ख़ुद के 50 हज़ार फॉलोवर की पर्सनल id वह लाखों मेम्बर के पेज को बिना किसी Spam के Facebook app ने Deactivate कर दिया क्योंकि हम सरकार की कुनीतियों के ख़िलाफ़ इस सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से लोगों में जागरूकता लाने का अपना हर सम्भव प्रयास करते आये हैं जो संघ-भाजपा समर्थक फेसबुक को मंजूर नही है वहीं फेक न्यूज़ फैलाने वालों पर भी रोक नही लगाता है, लेकिन यह आश्चर्य जनक है कि भारत के कट्टर हिंदुत्ववाद का प्रचार करने वाले, मुसलमानों के खिलाफ़ आग उगलने वालों पर फेसबुक जल्द कार्रवाी नहीं करता...!

न्यूली पनेल औऱ जेफ़ हार्फिज़ की वॉल स्ट्रीट जर्नल में छपी रिपोर्ट की मानें तो इसके पीछे आँखी दास हैं जो बीजपी के पक्ष में फेसबुक के अंदर सक्रिय हैं...!

वे Narendra Modi की टीम मेंबर की तरह काम करती हैं...!

आमेरिकी अख़बार के मुताबिक आँखी दास ने, मुस्लिमों के ख़िलाफ़ हिंसा भड़काने को प्ररित करने वाली तेलंगाना के बीजेपी विधायक टी.राजा सिंह की एक पोस्ट पर हेट स्पीच रूल लगाने से इंकार कर दिया था, उन्होंने फेसबुक नियमों के ख़िलाफ़ कार्रवाई करने जा रहे फेसबुक के अधिकारियों को बताया कि भारत में कारोबार मुश्किल हो जाएगा...!

फेसबुक की ओर से उन पर भारत में सरकार से लाबींग करने की भी जिम्मेदारी है...!

★ यही नहीं 2019 चुनाव के पहले काँग्रेस समर्थक माने जाने वाले तमाम अकाउंट औऱ पेज हटा दिये गये थे, लेकिन बीजेपी समर्थक फर्जी पेज बने रहे हैं औऱ अभी भी है...!

★ भारत मे फेसबुक प्रमुख आँखीदास ने 2017 मं नरेंद्र मोदी के पक्ष में एक लेख भी लिखी हैं...!

आरटीआई एक्टिविस्ट Saket Gokhale जी ने ट्विटर पर बीजेपी औऱ फेसबुक के इस गठजोड़ पर कई ट्वीट्स करके इसके खुलासे किये हैं...!

कुल मिलाकर फेसबुक की निष्पक्षता पर इस रहस्योद्घाटन से बड़ा सवाल खड़ा हो गया है...!

काँग्रेस पार्टी ने यह भी पूछा है कि फेसबुक के वरिष्ठ अधिकारियों को जिस कारोबारी संभावना पर उल्टा प्रभाव पड़ने का डर दिखाकर बीजेपी समर्थकों की हेट स्पीच पर कार्रवाई से रोका गया, वह क्या है...?

एक खबर सुनने में आ रहा है कि फेसबुक भी पे वाल का लाइसेंस मांग रहा है, तो क्या भाजपा सरकार औऱ फेसबुक के बीच कुछ डील हो रही है...?

जो भी हो, लोकतंत्र के प्रहरी बनकर दुनिया भर में खास जगह बनाने वाले फेसबुक की साख अब दाँव पर है...! कंपनी को खुद आगे आकर लोगों को भरोसा देना चाहिए और रूल तोड़ने वालों पर कार्रवाई करनी चाहिए, करोड़ों लोगों का विश्वास तोड़ना उसके मूल संकल्पों को हास्यास्पद बना रहा है...!!

#FBbetraysIndia

#AntiIndiaFacebook

Mukesh Gupta...✍

(मुम्बई प्रदेश काँग्रेस सेवादल सोशल मीडिया कॉर्डिनेटर)